गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन
व्यापक दिव्यांग पुनर्वास कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश

Gift Abled
Fostering Inclusion

नवंबर दिसंबर 2024

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस समारोह

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने एक भव्य समारोह का आयोजन किया, जो विशेष रूप से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उनके कल्याण पर केंद्रित रहा। यह आयोजन बलरामपुर में संपन्न हुआ और इसमें समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की गरिमामयी उपस्थिति ने इसे और भी प्रेरणादायक बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश दिव्यांग आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा ने फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए दिव्यांगजनों के लिए चल रही योजनाओं को और सशक्त बनाने का आश्वासन दिया। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी अनुज त्रिपाठी, बलरामपुर सदर विधायक श्री पलटूराम, और तुलसीपुर विधायक श्री कैलाश नाथ शुक्ला ने भी अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम को गौरवान्वित किया।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में एचआर शुगर फैक्ट्री के मुकेश कुमार, शकुंतला विश्वविद्यालय के डॉ. यशवंत, और डॉ. मोशिन अली सिद्दीकी शामिल थे। सभी ने गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन के उद्देश्यों और कार्यों की सराहना की।

फाउंडेशन की क्षेत्रीय प्रमुख शिल्पा सिंह ने फाउंडेशन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों का विस्तारपूर्वक परिचय दिया। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन किस प्रकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। उनकी नेतृत्व क्षमता और समर्पण को सभी अतिथियों ने सराहा।
इस अवसर पर प्रो. हिमांशु शेखर झा और मुख्य विकास अधिकारी बलरामपुर ने सभी दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। बलरामपुर और तुलसीपुर के विधायकों ने गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन के कार्यों को अनुकरणीय बताते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण और उनके लिए समावेशी समाज के निर्माण की प्रतिबद्धता का प्रतीक बन रहा गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने यह सुनिश्चित किया न केवल जागरूकता फैलाने का माध्यम बना ,बल्कि दिव्यांगजनों के लिए अवसरों और आत्मनिर्भरता के नए नींव स्थापित कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस: शिक्षा विभाग के साथ विशेष आयोजन

3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का आयोजन शिक्षा विभाग के साथ गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शुभम शुक्ला, बीएसए अधिकारी, और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को अपनी उपस्थिति से गौरवान्वित किया।

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों ने अपनी प्रतिभा और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। उन्होंने डांस, दौड़, और पेंटिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी क्षमताओं का परिचय दिया। बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास, और ऊर्जा ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इन गतिविधियों ने न केवल उनके शारीरिक और मानसिक सशक्तिकरण को प्रदर्शित किया, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि दिव्यांगता किसी भी प्रतिभा को बाधित नहीं कर सकती।

यह आयोजन न केवल दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनकी संभावनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बना, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान, समानता, और समावेशिता की भावना को भी प्रबल किया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर जागरूकता अभियान।

Gift Abled
Fostering Inclusion

2 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन की टीम ने एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान की शुरुआत एक रैली के साथ हुई, जिसमें 60 से अधिक दिव्यांग लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का उद्घाटन दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी श्री अनुज त्रिपाठी और क्षेत्रीय प्रबंधक शिल्पा सिन्हा ने किया।

इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, बलरामपुर परियोजना अधिकारी और शिल्पा सिंह ने दिया। उन्होंने बच्चों के प्रयासों और इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की प्रशंसा की। बच्चों ने अपनी ऊर्जा और उत्साह से इस अभियान को प्रेरणादायक बनाया, जिससे समाज में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता और सकारात्मकता का संदेश गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना था। इस तरह के आयोजनों से दिव्यांगजनों और उनके परिवारों को न केवल प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान और समानता की भावना भी मजबूत होती है।

प्रमुख गतिविधियाँ

Fostering Inclusion

बलरामपुर सेंटर पर सरकारी शिक्षकों के लिए समावेशी शिक्षा पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में 10 सरकारी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं, उनके अधिकारों और शिक्षा में उनके समावेशन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने दिव्यांग बच्चों के हितार्थ कदम उठाने का संकल्प लिया। यह पहल समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमने फील्ड में जाकर मदर ग्रुप ट्रेनिंग का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य यह था कि माताओं को थेरेपी की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाया जा सके। इस पहल से माताएँ अपने बच्चों को घर पर बेहतर सेवाएँ प्रदान कर सकेंगी।

इस प्रशिक्षण सत्र में हमने कुल 20 माताओं को शामिल किया और उन्हें थेरेपी से संबंधित आवश्यक जानकारी और कौशल प्रदान किया। हमें विश्वास है कि यह प्रयास बच्चों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होगा।

हमने 12 स्टेकहोल्डर्स के साथ एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें बच्चों में होने वाले संक्रमणों की पहचान, रोकथाम और प्रबंधन पर चर्चा की गई। इस मीटिंग का उद्देश्य क्षेत्र में कार्यरत आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को इस विषय पर जागरूक करना और उन्हें इस दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

इसके अतिरिक्त, हमने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ भी अलग से चर्चा की, ताकि उनके अनुभव और क्षेत्र से जुड़ी जानकारी का लाभ लिया जा सके। यह पहल क्षेत्र में बच्चों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख गतिविधियाँ

हमने तीन गाँवों में जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य समुदाय को दिव्यांगता के प्रकार, इसकी रोकथाम के उपाय, और साइन लैंग्वेज के उपयोग के महत्व के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम में 50 से अधिक लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों को साइन लैंग्वेज का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, जिससे वे दिव्यांगजनों के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर सकें। यह अभियान समुदाय में समावेशिता और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

डॉक्टर कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 10 बेनिफिशियरी को लाभ प्राप्त हुआ

ग्राम प्रधानों के साथ बैठक: नए सब सेंटर की स्थापना पर चर्चा

Gift Abled
Fostering Inclusion

हमने दो गाँवों, शंकरपुर और भीकमपुर, के ग्राम प्रधानों से बातचीत की। इस चर्चा का उद्देश्य दोनों गाँवों में नए सब सेंटर की स्थापना के लिए सहमति और सहयोग प्राप्त करना था।

शंकरपुर के प्रधान ने एक नए सब सेंटर की स्थापना के लिए हामी भरी, जहाँ 8 लाभार्थी नियमित रूप से सेवाएँ प्राप्त करेंगे।
भीकमपुर के प्रधान ने भी नए सब सेंटर के लिए सहमति दी, जो 5 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान करेगा।
दोनों ग्राम प्रधानों ने सब सेंटर के लिए आवश्यक जगह उपलब्ध कराने और अन्य सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा वितरण को सशक्त बनाने और लाभार्थियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए एक सकारात्मक कदम है।

हमारे सामुदायिक चैम्पियंस

प्रबल जो की एक प्राइमरी स्कूल टीचर हैं इन्होंने बच्चों के थेरेपी में हमारा पूरा सहयोग किया है और उनके स्कूल में हमारे दो बेनिफिशियरी हैं जिनको थेरेपी इनके द्वारा प्रदान किया जा रहा है

बलरामपुर में महिला सशक्तिकरण के लिए पायलट प्रोजेक्ट की सफलता

Fostering Inclusion

बलरामपुर जिले में नवंबर 2024 में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत 4 विद्यार्थियों का चयन नए सेक्शन (डेटा एंट्री) पर किया गया। इन विद्यार्थियों ने 2 महीने की प्रशिक्षण अवधि के भीतर ही शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्लेसमेंट प्राप्त की। यह पहल उन महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है, जिन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से कमज़ोर पृष्ठभूमि से आंका जाता है।

4 दिसंबर 2024 को आईडीपीडी कार्यक्रम में बालिका प्रतिभागियों ने एक नाटक प्रस्तुत किया, जिसे देख सभी ने सराहा। इस नाटक के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। साथ ही, एक शानदार नृत्य प्रस्तुति भी आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं और लड़कियों की आत्मनिर्भरता और सामाजिक बराबरी के लिए प्रेरणा दी गई।

24 दिसंबर 2024 को मानसी द्वारा आदर्श विद्यालय में एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें पायलट प्रोजेक्ट के तहत 6 महीने की प्रशिक्षण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रहने वाली लड़कियों को अंग्रेजी साक्षरता और कंप्यूटर शिक्षा पर जोर दिया गया ताकि वे डिजिटल दुनिया में अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें।

इस कार्यक्रम में स्टेकहोल्डर मीटिंग का भी आयोजन किया गया, जहां उदयराज पुरवा के एक स्थानीय व्यक्ति ने ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से उनके गांव की लड़कियों के बीच जागरूकता बढ़ेगी और वे बेहतर अवसरों की ओर अग्रसर हो सकेंगी।

यह पायलट प्रोजेक्ट बलरामपुर जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, जो न केवल लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की ओर भी प्रेरित कर रहा है।

स्वतंत्रता – आजीविका संसाधन सिलाई प्रशिक्षण केंद्र भिनगा केंद्र की मुख्य/ गतिविधियाँ

Gift Abled
Fostering Inclusion

6 दिसंबर को गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन द्वारा पंचायत भवन, करौंधा मसिना, सिद्धार्थनगर में अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शोभा मुख्य अतिथि, खंड विकास अधिकारी श्री राजकुमार और अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री प्रभु दयाल ने की। श्री संतोष कश्यप (कार्यक्रम प्रबंधक), सुश्री मुस्कान (प्रशिक्षक) और श्री अनूप सहित गिफ्टएबल्ड जिला टीम ने इसके बारे में विवरण साझा किया। विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए कौशल विकास और रोजगार सृजन के लिए फाउंडेशन की पहल। श्री राजकुमार ने उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दिव्यांगजन दूसरों से कम सक्षम नहीं हैं और साहस और दृढ़ संकल्प के साथ बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। श्री प्रभु दयाल ने कार्यक्रम के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।
मौजूदा लाभार्थियों में: लाल जी, इम्तियाज अली, रेनू, दिवाकर और किरण ने प्रशिक्षण केंद्र के अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए, और दूसरों को भी इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

पिछले पांच वर्षों में, एसएपी के साथ हमारी साझेदारी के परिणामस्वरूप ऑनबोर्डिंग किट के रूप में उपयोग किए जाने वाले 28,000 उत्पादों की खरीद हुई है, जिससे 800 विकलांग कारीगरों को सीधे समर्थन मिला है और सार्थक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। यह पहल समावेशी व्यवसाय की शक्ति का उदाहरण देती है, जहां प्रत्येक उत्पाद न केवल कुशल कारीगरों का समर्थन करता है बल्कि समुदायों में सकारात्मक प्रभाव की लहर को भी बढ़ावा देता है।

समावेशिता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और इस प्रभावशाली सहयोग के माध्यम से विकलांग कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए हमारे कॉर्पोरेट भागीदारों को हार्दिक धन्यवाद। यहां कई वर्षों की सार्थक साझेदारी और सकारात्मक बदलाव है!

Gift Abled
Fostering Inclusion

Impact Summit 2025

Where CSR Meets Rural Immersion

गिफ्टएबल्ड द्वारा 5 से 8 फरवरी तक आयोजित इम्पैक्ट समिट 2025, भारत के आकांक्षी जिलों में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध वरिष्ठ प्रबंधन और सीएसआर नेताओं के लिए एक आवश्यक कार्यक्रम है।

यह शिखर सम्मेलन इन जरूरतों को पूरा करने और अधिक प्रभाव के लिए आपकी सीएसआर रणनीतियों को संरेखित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है।

क्यों उपस्थित हों?

✔ प्रभावशाली सीएसआर और डीईआई रणनीतियों के लिए नवीन दृष्टिकोण सीखें
✔ उद्योग जगत के नेताओं और परिवर्तनकर्ताओं से जुड़ें
✔ भारत के विकास के साथ अपनी पहल को जोड़ने के लिए प्रेरित हों

📅 कब: 5-8 फरवरी, 2025
📍 कहां:बलरामपुर और श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश

आइये मिलकर #भारत के उज्जवल भविष्य को आकार दें।

Gift Abled
Fostering Inclusion

Balrampur My City 03

रैली निकालकर किया जागरूक

बलरामपुर। विश्व दिव्यांग दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एक संस्था के दिव्यांग बच्चों ने कलेक्ट्रेट मोड स्थित कार्यालय से जागरूकता रैली निकाली। क्षेत्रीय प्रमुख शिल्पा सिन्हा व मानसी ने कहा कि जीवन की सफलता के क्षेत्र में दिव्यांगता कभी बाधा नहीं बन सकती है। दिव्यांग बच्चे भी अपने हुनर से नाम रोशन कर सकते हैं। अल्बर्ट, प्रियंका, नेहा, प्रकाश, सपना, प्रिया, प्रशांत, संतोष कश्यप, संतोष, दीपक, हरि प्रकाश, मिनी व राहुल आदि मौजूद रहे। विकास भवन में बच्चों की रैली पहुंची, जहां पीडी राघवेंद्र तिवारी व जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी तनुज त्रिपाठी ने स्वागत किया। (संवाद)

21

साइन लैंग्वेज में बात करना सिखाया

बलरामपुर। कलेक्ट्रेट मोड़ स्थित गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन कार्यालय में बुधवार को दिव्यांग बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रशिक्षक प्रकाश पांडेय ने बच्चों को साइन लैंग्वेज में बातचीत करने का तरीका सिखाया। उन्होंने बताया कि साइन लैंग्वेज को हिंदी में संकेत भाषा या इंगित भाषा कहते हैं। यह एक ऐसी भाषा है जिसमें विचारों को व्यक्त करने के लिए हाथों के आकार, विन्यास, संचालन, बांहों, शरीर व चेहरे के हाव-भाव का इस्तेमाल होता है। साइन लैंग्वेज बोले गए शब्दों से परे संचार का एक व्यापक और अभिव्यंजक माध्यम है। इस भाषा महज इशारे नहीं होते हैं, बल्कि दूसरी भाषाओं की तरह ही इसका अपना व्याकरण और नियम भी होते हैं। (संवाद)

छात्राओं को सिखाया योगासन

बलरामपुर। नगर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। जिला मेमोरियल चिकित्सालय स्थित योग वेलनेस सेंटर की तरफ से छात्राओं को विभिन्न योगासन सिखाए गए। साथ ही छात्राओं को नियमित योग करने के फायदे भी बताए गए। योग प्रशिक्षक डॉ. अमरजीत ने छात्राओं को ताड़ासन, सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन, भुजंगासन व कपालभाति आदि का अभ्यास कराया। छात्राओं को ध्यान केंद्रित करने का तरीका भी बताया गया। (संवाद)

हम आपसे सुनना चाहते हैं

inclusion@giftabled.org
https://giftabled.org/